IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 2, September 2025
Impact Factor: 7.67

# माध्यमिक शिक्षा में पारंपरिक एवं नवीन शिक्षण विधियों का विद्यार्थियों के शैक्षिक, मानसिक एवं सामाजिक विकास पर तुलनात्मक प्रभाव

[1]अभिलाषा कुमारी
शोधार्थी, शिक्षा विभाग, देश भगत विश्वविद्यालय, मण्डी गोबिंदगढ़, पंजाब
[2]डॉ. अनुरीत कौर बराड़
सहायक प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, देश भगत विश्वविद्यालय, मण्डी गोबिंदगढ़, पंजाब

## सारांश

वर्तमान शैक्षिक परिप्रेक्ष्य में केवल पाठ्यचर्या आधारित ज्ञानार्जन ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के समग्र विकास—शैक्षिक, मानसिक एवं सामाजिक—की दिशा में शिक्षण विधियों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन आवश्यक हो गया है। यह शोध माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों पर केंद्रित है, जहाँ पारंपरिक शिक्षण विधियों (जैसे व्याख्यान-आधारित, शिक्षक-केंद्रित शिक्षा) एवं नवीन शिक्षण उपागमों (जैसे सहकारी शिक्षण, प्रोजेक्ट आधारित लर्निंग, डिजिटल कक्षा) का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है।

शोध में 100 विद्यार्थियों को दो समूहों में विभाजित किया गया—पारंपरिक एवं नवीन शिक्षण विधियों से अध्ययनरत। उनके शैक्षिक प्रदर्शन, मानसिक विकास (आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता) और सामाजिक कौशल (सहयोग, सहभागिता, नेतृत्व क्षमता) का मूल्यांकन सांख्यिकीय तकनीकों द्वारा किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि नवीन शिक्षण उपागम पारंपरिक विधियों की तुलना में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में अधिक प्रभावी हैं। विशेष रूप से बालिकाओं तथा शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों ने नवीन शिक्षण विधियों के अंतर्गत बेहतर प्रदर्शन किया।यह शोध न केवल शिक्षण की प्रभावशीलता को समझने में सहायक है, बल्कि यह भविष्य की शैक्षिक नीतियों और पद्धतियों के निर्धारण हेतु भी एक वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत करता है।

**मुख्यशब्द:** माध्यमिक शिक्षा, पारंपरिक शिक्षण विधियाँ, नवीन शिक्षण उपागम, शैक्षिक विकास, मानसिक विकास, सामाजिक विकास, शिक्षण प्रभावशीलता